

Name of University	University of Rajasthan
Name of Faculty	Social Science
Name of Discipline	Public Administration
Type of Discipline	Major
Offered for Deaf ,Dumb and Blind Students	Yes

SEMESTER –WISE PAPER TITLES WITH DETAILS

[In case there is no practical]

UG-9101-Three/Four Year Bachelor of Arts								
Public Administration								
#	Level	Semester	Type	Title	L	T	P	Total
1	5	I	MJR	UG-9101-PAD-57T-107- Introduction to Public Administration	6	0	0	6
2	5	II	MJR	UG-9101-PAD-58T-108 Indian Government and Administration	6	0	0	6
3	6	III	MJR	UG-9101-PAD-67T-207- Administrative Theory	6	0	0	6
4	6	IV	MJR	UG-9101-PAD-68T-208- State Administration	6	0	0	6
5	7	V	MJR	UG-9101-PAD-77T-307- Comparative and Personnel Administration	6	0	0	6
6	7	VI	MJR	UG-9101-PAD-78T-308- Local Governance	6	0	0	6


Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Signature of Dean	Signature of BoS Convenor	Signature of DR(Academic-I)

Examination Scheme:

1. 1 credit = 25 marks for examination/evaluation
2. For Regular Students there will be Continuous Assessment (CA), in which sessional work and the terminal examination will contribute to the final grade. Each course in Semester Grade Point Average (SGPA) has two components- Continuous Assessment (20% weightage) and (End of semester examination) EoSE (80% weightage).
3. For Regular Students, 75% Attendance is mandatory for appearing in the EoSE.
4. To appear in the EoSE examination of a course/subject a regular student must appear in the mid-semester examination and obtain at least a C grade in the Course/Subject.
5. Credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the regular student obtains at least a C grade in the CA and EoSE examination of a Course/Subject.
6. In the case of Non-Collegiate Students there will be no Continuous Assessment and credit points in a Course/Subject will be assigned only if, the non-collegiate student obtains at least a C grade in the EoSE examination of a Course/Subject.


 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

Examination Scheme for Continuous Assessment (CA):

Distribution of Continuous Assessment (CA) Marks

S.No.	CATEGORY	Weightage (Out of total Internal marks)	THEORY					
			CORE (Only Theory)	CORE (Theory + Practical)	AEC	SEC	VAC	
	Max Internal Marks		30	20	20	10	10	
1	Mid-term Exam	50%	15	10	10	5	5	
2	Assignment	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
3	Attendance	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
		Regular Class Attendance	=75%	3	2	2	1	1
		75- 80%	4	3	3	1.5	1.5	
		80- 85%	5	4	4	2	2	
		>85%	7.5	5	5	2.5	2.5	

Note:

1. Continuous Assessment will be the sole responsibility of the teacher concerned.

Rj | Jau
Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

2. For Continuous Assessment no remuneration will be paid for paper setting, evaluation, invigilation etc.
3. For Continuous Assessment paper setting and evaluation responsibility will be of teacher concerned.
4. For Continuous Assessment no Answer Sheets/ Question Papers etc. will be provided by the University.
5. Colleges are advised to keep records of Continuous Assessment, attendance etc.

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

Examination Scheme for EoSE:

CA - Continuous Assessment

EoSE- End of Semester Examination

Regular Students

Type of Examination	Course Code and Nomenclature	Duration of Examination		Maximum Marks		Minimum Marks	
Theory		CA	1:00Hrs	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3:00 Hrs	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks

(Courses which do not have Practical Examination)

The question paper will consist of three parts A, B & C.

Part -A: 20 Marks

Part A will be compulsory having 10 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each.

Part – B: 20 Marks

Raj Jais
 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Part B of the paper shall consist of 4 questions selecting one question from each unit and the student shall attempt any 2 questions (with a limit of 100 words) that carry 10 marks each.

Part –C: 80 Marks

Part C of the question paper shall be divided into four units comprising question numbers 6-9. There will be one question from each unit with internal choice. Each question will carry 20 marks.

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

विश्वविद्यालय का नाम	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर,
संकाय का नाम	सामाजिक विज्ञान
विषय का नाम	लोक प्रशासन
विषय का प्रकार	प्रमुख
माइनर विषय के रूप में पेश किये जाने वाले कार्यक्रमों की सूची	-
मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित छात्रों के लिए पेश किया गया	हाँ

विवरण के साथ सेमेस्टर –वार पेपर शीर्षक

मूक बधिर एवं दृष्टिबाधित छात्रों के लिए

[यदि कोई प्रायोगिक विषय नहीं है]

Rj | Jw
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

UG- 9101 – तृतीय/चतुर्थ वर्षीय कला स्नातक

				लोक प्रशासन	क्रेडिट			
क्रमांक	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	सैधांतिक	ट्यूटोरिअल	प्रायोगिक	कुल
1	5	I	प्रमुख	UG-9101-PAD-57T-107- लोक प्रशासन का परिचय	6	0	0	6
2	5	II	प्रमुख	UG-9101-PAD-58T-108- भारतीय सरकार तथा प्रशासन	6	0	0	6
3	6	III	प्रमुख	UG-9101-PAD-67T-207- प्रशासनिक सिद्धांत	6	0	0	6
4	6	IV	प्रमुख	UG-9101-PAD-68T-208- राज्य प्रशासन	6	0	0	6
5	7	V	प्रमुख	UG-9101-PAD-77T-307- तुलनात्मक तथा कार्मिक प्रशासन	6	0	0	6
6	7	VI	प्रमुख	UG-9101-PAD-78T-308- स्थानीय शासन	6	0	0	6

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

परीक्षा योजना

1. 1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन के लिये 25 अंक
2. नियमित छात्रों के लिए सतत मूल्यांकन होगा, जिसमें सत्रवार कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) में प्रत्येक कोर्स के दो घटक हैं – सतत मूल्यांकन (20%भारिता) और (अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के अंत में) EoSE (80%भारिता)

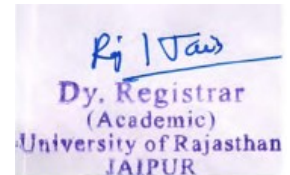

 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

3. नियमित छात्रों के लिये, EoSE में उपस्थित होने के लिये 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
4. किसी कोर्स/विषय की EoSE परीक्षा में उपस्थित होने के लिये नियमित छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना होगा और कोर्स/विषय में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।
5. किसी कोर्स/ विषय में क्रेडिट पॉइन्ट तभी दिये जाएँगे, जब नियमित छात्र किसी कोर्स/विषय की CA और EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।
6. स्वयंपाठी छात्रों के मामले में कोई सतत मूल्यांकन नहीं होगा और किसी पाठ्यक्रम/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिये जाएंगे जब स्वयंपाठी छात्र किसी पाठ्यक्रम/ विषय की EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

सतत मूल्यांकन के लिये परीक्षा योजना:

सतत मूल्यांकन (CA) अकों का वितरण



क्रमांक	श्रेणी	भार (कुल आंतरिक अंको में से)	THEORY					
	अधिकतम आंतरिक अंक		कोर (केवल सैद्धांतिक)	कोर (सैद्धांतिक + प्रायोगिक)	AEC	SEC	VAC	
			30	20	20	10	10	
1.	मध्यावधि परीक्षा	50%	15	10	10	5	5	
2.	असाइनमेंट	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
3.	उपस्थिति	25%	7.5	5	5	2.5	2.5	
		नियमित कक्षा उपस्थिति	=75%	3	2	2	1	1
			75-80%	4	3	3	1.5	1.5
			80-85%	5	4	4	2	2
			>85%	7.5	5	5	2.5	2.5

नोट :-

1. सतत मूल्यांकन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होगी।
2. सतत मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र निर्माण, मूल्यांकन और निरीक्षण आदि के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा।
3. सतत मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र निर्माण और मूल्यांकन की जिम्मेदारी शिक्षक की होगी।
4. सतत मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई उत्तर पुस्तिका/प्रश्न पत्र आदि उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।
5. कॉलेजों को सतत मूल्यांकन, उपस्थिति आदि का रिकॉर्ड रखने की सलाह दी जाती है।

अधिष्ठाता के	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के
--------------	---------------------------	------------------------------

Rj | Jau
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर

EoSE परीक्षा योजना

CA - सतत मूल्यांकन

EoSE – सेमेस्टर के अन्त में परीक्षा

नियमित छात्र

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक		न्यूनतम अंक	
सैद्धांतिक		CA	1 घंटा	CA	30	CA	12
		EoSE	3 घंटे	EoSE	120	EoSE	48

(जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षा नहीं है)

प्रश्न पत्र में तीन भाग अ, ब और स होंगे।

भाग – अ : 20 अंक

भाग अ में दों अंक के 10 अति लघुउत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे।

भाग – ब : 20 अंक

प्रश्न पत्र के भाग ब में 4 प्रश्न होंगे, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करना होगा और विद्यार्थी कोई 2 प्रश्न (100 शब्दों की सीमा के साथ) ही हल करेगा, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

भाग – स : 80 अंक

प्रश्न पत्र के भाग स को प्रश्न संख्या 6–9 सहित चार इकाइयों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

Rj | Jau
Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

UG - 9101 - THREE/FOUR YEAR BACHELOR OF ARTS

(For Deaf-Dumb and Blind Students)

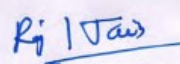
DISCIPLINE : PUBLIC ADMINISTRATION

COURSE CONTENT

Semester	Level	Type	Paper Nomenclature	Paper Code	Total Credit	Max. Marks 120+30	Total Learning/ Lecture Hours 15X6
III	6	MJR	Administrative Theory	UG-9101PAD- 67T-207	6	150	90
IV	6	MJR	State Administration	UG-9101PAD- 68T-208	6	150	90

Student Progress Evaluation

Type	Paper Code and Nomenclature	Duration of Examination	Maximum Marks (CA + EoSE)	Minimum Marks (CA+ EoSE)
Theory	UG-9101-PAD-67T-207- Administrative Theory	1 Hrs - CA 3 Hrs - EoSE	30 Marks - CA 120 Marks - EoSE	12 Marks - CA 48 Marks - EoSE
Theory	UG-9101-PAD-68T-208- State Administration	1 Hrs - CA 3 Hrs - EoSE	30 Marks - CA 120 Marks - EoSE	12 Marks - CA 48 Marks - EoSE


 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Note :-

- 1. MJR = Major
- 2. PAD = Public Administration
- 3. CA = Continuous Assessment
- 4. EoSE = End of Semester Examination

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

UG-9101-PAD-67T-207

Administrative Theory

III Semester [Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
III	PAD-67T-207	Administrative Theory			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	YES/NO	Lecture

Raj Jais
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline	NA
Prerequisites	XII Pass
Objective of the Course	Theory is the foundation and strength of every Discipline. It gives the subject's concept, definition, and ideals. This paper explores several thinkers who contributed to the creation of public administration. The reader would grasp the theoretical foundations of classical, bureaucratic, and human interactions in the discipline.

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

SEMESTER-WISE PAPER TITLES WITH DETAILS

Syllabus: Three/Four Years Bachelor of Arts (For Deaf-Dumb and Blind Students)

Semester III

Public Administration

Paper Code	Title of the Paper	Level	Type	Credit
UG-9101-PAD-67T-207	Administrative Theory	6	Major	6

Administrative Theory

Unit I

Evolution of Administrative Thoughts and Various Stages. Administrative Ideas of Kautilya and Woodrow Wilson. Scientific Management : F.W. Taylor.



Unit II

Administrative Management Theory: Henri Fayol, Luther Gulick and Lyndall Urwick.

Unit III

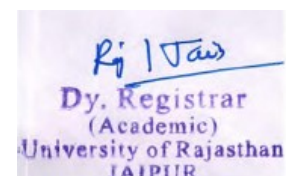
Human Relations Theory - Elton Mayo. Behavioural Theory : Chester Barnard and Herbert Simon.

Unit IV

Bureaucracy Concept of Max Weber. Motivation Theories: Abraham Maslow and Fredrick Herzberg .

Suggested Readings

- Prasad Ravindra D. (et al), *Administrative Thinkers*, New Delhi: Sterling Publications, 2017.
- Henry Nicholas, *Public Administration and Public Affairs*, New Delhi: Prentice Hall, 2006.
- Fedrickson George H. (et al), *The Public Administration Theory and Primer*, New York: West view press, 2003.
- Simon Herbert A., *Administrative Behavior: A Study of Decision-Making Processes in Administrative Organization*, New York: Mcmillan, 1947.
- Raadschelders, Jos C.N., *Government: A Public Administration*, Routledge, 2003.
- Mahajan Anupama Puri, *Administrative Thinkers* :Pearson Publication



- Pinto Marina Rita, *Administrative and Management Thinkers* , New Age International Publishers

Course Outcome:

1. Critically analyze on several thinkers who contributed for the development of public administration as a discipline.
2. Exposure to various chronological phases of theory building in public administration.
3. Examine the administrative techniques being utilised in an organisation.

Course Learning Outcome : The student will be able to:

1. Learn various approaches of administrative theories.
2. Demonstrate critical thinking on the scholars and their contribution in administration.
3. Evaluate the interrelation between theory and practice of administrative dynamics.

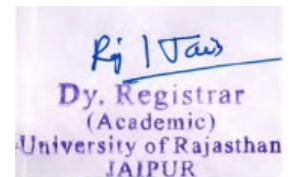
Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

पाठ्यक्रम

UG-9101-PAD-67T-207

प्रशासनिक सिद्धांत

III सेमेस्टर [सनप्रशा लोक]



सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
III	PAD-67T-207	प्रशासनिक सिद्धांत			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6	हाँ/नहीं	व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		सिद्धान्त किसी भी विषय की नींव और ताकत होते हैं जो विषय को अवधारणा, अर्थ और आदर्श प्रदान करते हैं। यह प्रश्न-पत्र उन कई विचारकों के विचारों का समंजन करता है, जिन्होंने लोक प्रशासन को एक विषय के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाठक इस प्रश्न पत्र में शास्त्रीय, नौकरशाही और मानवीय अन्तः क्रिया के सैद्धान्तिक आधारों को समझ सकेंगे।				

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

पाठ्यक्रम

Rj | Jau
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

UG-9101-PAD-67T-207

प्रशासनिक सिद्धांत

इकाई – 1

प्रशासनिक विचारों का विकास एवं विभिन्न चरण ; कौटिल्य एवं वुडरो विल्सन के प्रशासनिक विचार ; वैज्ञानिक प्रबंध : एफ.डब्ल्यू.टेलर ।

इकाई – 2

प्रशासनिक प्रबंध सिद्धांत : हेनरी फेयोल, लूथर गुलिक एवं लिन्डाल उर्विक ।

इकाई – 3

मानवसम्बन्धसिद्धांत – एल्टनमेयो; व्यवहारवादी सिद्धांत : चेस्टर बर्नार्ड एवं हर्बर्ट साइमन ।

इकाई – 4

मैक्सवेबर की नौकरशाही अवधारणा ; अभिप्रेरणा सिद्धांत : अब्राहम मैस्लो एवं फ्रेडरिक हर्जबर्ग ।

सन्दर्भित पुस्तकें :-

1. नरेन्द्र थोरी : प्रशासनिक चिंतक, आर.बी.एस.ए, जयपुर ।
2. अशोक कुमार : प्रशासनिक चिंतक, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा ।
3. प्रसाद, प्रसाद सत्यनारायण : प्रशासनिक चिंतक : जवाहर पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्स



4. जी.एस. सुधा : प्रबंध चिंतन का इतिहास, आर.बी.एस.ए, जयपुर

पाठ्यक्रम प्रतिफल :—

1. लोक प्रशासन का एक विषय के रूप में विकास में योगदान देने वाले विचारकों के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन संभव होगा ।
2. विद्यार्थी लोक प्रशासन में सिद्धान्त निर्माण के विभिन्न चरणों के बारे में अवगत हो सकेंगे ।
3. संगठन में काम आने वाली प्रशासनिक तकनीकों का परीक्षण संभव हो सकेगा ।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल : विद्यार्थी सक्षम होंगे:—

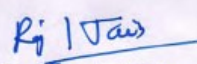
1. प्रशासनिक सिद्धान्तों के विभिन्न उपागमों को सीखने में ।
2. विद्वानों और प्रशासन में उनके योगदान पर आलोचनात्मक सोच प्रदर्शित करने में ।
3. प्रशासनिक गतिशीलता के सिद्धान्त और व्यवहार के बीच अन्तर्संबंध का मूल्यांकन करने में ।

Rj | Jau
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

UG-9101-PAD-68T-208
State Administration
IV Semester [Public Administration]

Semester	Code of the Course	Title of the Course/Paper			NHEQF Level	Credits
IV	PAD-68T-208	State Administration			6	6
Level of Course	Type of the Course	Credit Distribution			Offered to NC Students	Course Delivery Method
		Theory	Practical	Total		
6	MAJOR	6	0	6	YES/NO	Lecture
List of Programme Codes in which Offered as Minor Discipline		NA				
Prerequisites		XII Pass				


 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Objective of the Course	The constitution has enshrined significant provisions on state and its features as it performs several functions analogous to the Federal Government. This course disseminates the background of Rajasthan State Integration, features of administration and institutions associated. The paper will impart overall view of knowledge about the Rajasthan state to the Learners.
-------------------------	--

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

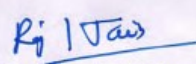
Semester IV
Public Administration

Paper Code	Title of the Paper	Level	Type	Credit
UG-9101PAD-68T-208	State Administration	6	Major	6

State Administration

Unit I

Evolution of States in India Since Independence. Historical Background of Integration of Rajasthan State. Legislative Assembly and Legislative Council- Organisation and Functions.


 Dy. Registrar
 (Academic)
 University of Rajasthan
 JAIPUR

Unit II

State Executive: Governor, Chief Minister and Council of Ministers- Powers, Functions and Role. Organisation and Functions of State Secretariat. Role of Chief Secretary in State Administration.

Unit III

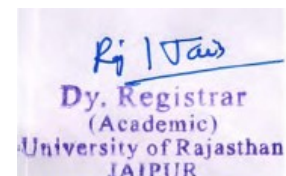
Role and Functions of Divisional Commissioner, District Collector in State Administration. Role of Superintendent of Police in Law and Order. Police Commissionerate System in Rajasthan.

Unit IV

Rajasthan Public Service Commission - Organisation and Functions. Grievance Redressal Mechanism in Rajasthan - Lokayukt, State Information Commission.

Suggested Readings

- Maheshwari S., *State Governments in India*, New Delhi: Macmillan, 2000.
- Sharma Harish Chander, *State Administration in India*, Jaipur : College Book Depot, 2002.
- Arora Ramesh K. & Chaturvedi Geeta, *Bharath Mein Rajya Prashashan*, Jaipur: RBSA, 2001.
- Kataria, Surendra, *Rajya Prashasan*, Jaipur: Malik & Company, 2017.



Course Outcome:

1. Discuss the evolution and background of evolution of states in India.
2. Examine the functions performed by the state led institutions and their responsibilities.
3. Appreciate the role of District Collector and other officials involved in district administration.

Course Learning Outcome: The student will be able to:

1. Deep insight and able to understand the historical background and evolution of states in India.
2. Explain the activities carried out by various institutions functioning in the state.
3. Develop critical thinking and familiarity on district officials and their responsibilities.

Signature of Dean	Signature of BoS Convener	Signature of DR (Academic I)

पाठ्यक्रम

UG-9101-PAD-68T-208

राज्य प्रशासन

IV सेमेस्टर [नसप्रशा कलो]


Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पेपर का शीर्षक			एनएचईक्यूएफ स्तर	क्रेडिट
IV	PAD-68T-208	राज्य प्रशासन			6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	क्रेडिट वितरण			स्वयंपाठी छात्रों के लिए पेश किया गया हाँ/नहीं	पाठ्यक्रम वितरण विधि
		सैधांतिक	प्रायोगिक	कुल		
6	प्रमुख	6	0	6		व्याख्यान
पाठ्यक्रम कोड की सूची जिसमें गौण विषय के रूप में पेश किया गया है		NA				
आवश्यकताएं		XII उत्तीर्ण				
पाठ्यक्रम के उद्देश्य		भारत के संविधान में राज्य और उसकी विशेषताओं के बारे में कई महत्वपूर्ण प्रावधान हैं। राज्य सरकार संघीय सरकार की तरह कई कार्यों का संपादन करती हैं। यह पाठ्यक्रम राजस्थान राज्य एकीकरण की पृष्ठभूमि, प्रशासन और सम्बद्ध संस्थाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालता है। यह प्रश्न पत्र पाठकों और शिक्षार्थियों को राजस्थान राज्य के बारे में ज्ञान का एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगा।				

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

पाठ्यक्रम

Rj | Jw
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

UG-9101-PAD-68T-208

राज्य प्रशासन

इकाई – 1

स्वतंत्रता पश्चात भारत में राज्यों का विकास ; राजस्थान के एकीकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि; विधान सभा और विधान परिषद : संगठन एवं कार्य ।

इकाई – 2

राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद – शक्तियाँ, कार्य एवं भूमिका ।
राज्य सचिवालय का संगठन एवं कार्य ; राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव की भूमिका ।

इकाई – 3

राज्य प्रशासन में संभागीय आयुक्त तथा जिलाधीश की भूमिका एवं कार्य ; कानून तथा व्यवस्था के संदर्भ में पुलिस अधीक्षक की भूमिका ; राजस्थान में पुलिस आयुक्त प्रणाली ।

इकाई – 4

राजस्थान लोक सेवा आयोग –संगठन एवं कार्य ; राजस्थान में शिकायत निवारण तंत्र – लोकायुक्त एवं राज्य सूचना आयोग ।

सन्दर्भित पुस्तकें :-

1. रमेश अरोडा व गीता चतुर्वेदी : भारत में राज्य प्रशासन, आर.बी.एस.ए, जयपुर ।



2. सुरेन्द्र कटारिया : राज्य प्रशासन : मलिक एण्ड कम्पनी, जयपुर चौडा रास्ता।

पाठ्यक्रमप्रतिफल:-

1. भारत में राज्यों के विकास और पृष्ठभूमि का विवेचन संभव होगा।
2. राज्य संस्थाओं तथा उनके उत्तरदायित्वों का परीक्षण संभव हो पाएगा।
3. जिला कलेक्टर तथा जिला प्रशासन में शामिल अन्य अधिकारियों की भूमिका का मूल्यांकन कर पाना संभव होगा।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल : विद्यार्थी सक्षम होंगे:-

1. भारत में राज्यों के विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में गहन समझ विकसित करने में।
2. राज्य में कार्यरत विभिन्न संस्थाओं द्वारा संपादित कार्यों का वर्णन करने में।
3. जिला अधिकारियों एवम् उनकी जिम्मेदारियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं समझ विकसित करने में।

Rj | Jw
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

अधिष्ठाता के हस्ताक्षर	संयोजक, पाठ्यक्रम मंडल के हस्ताक्षर	उप कुल सचिव (अकादमिक - I) के हस्ताक्षर

Rj | Jau
Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR